लाल जीभ वाला नया साँप: पश्चिमी घाट से मिली डेंड्रेलाफिस बेडोमी प्रजाति

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: 12 नवंबर 2026 (शोध प्रकाशन)

प्रकाशन तारीख: 26 नवंबर 2026

परीक्षा उपयोगिता: नई प्रजातियों की खोज प्रिलिम्स के पर्यावरण खंड का नियमित सवाल है; नाम, स्थान और विशेषता तीनों याद रखिए

प्रिलिम्स: पर्यावरण, जैव विविधता और संरक्षण

मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन III (पर्यावरण, पारिस्थितिकी और जैव विविधता)



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

पश्चिमी घाट के जंगलों में रहने वाले दुबले और तेज़ रफ़्तार वृक्ष साँपों के डेंड्रेलाफिस (*Dendrelaphis*) वंश में एक नई प्रजाति जुड़ गई है: **डेंड्रेलाफिस बेडोमी (*Dendrelaphis beddomei*)**। जैव विविधता शोध पत्रिका टैप्रोबैनिका में **12 नवंबर 2026** को प्रकाशित शोध में एस.आर. गणेश, एस.एन. पूर्णप्रज्ञा, अशोक कुमार मल्लिक और गर्नोट वोगेल की टीम ने इसका वैज्ञानिक वर्णन किया है। दिलचस्प बात यह है कि यह प्रजाति हाल में उत्पन्न नहीं हुई, बल्कि वर्षों से इसे गलती से दूसरी ही प्रजाति समझा जाता रहा था।

खबरों में क्यों

- **12 नवंबर 2026:** टैप्रोबैनिका (वॉल्यूम 15, नंबर 2) में डेंड्रेलाफिस बेडोमी का औपचारिक वर्णन प्रकाशित हुआ। शोध 27 फ़रवरी 2026 को जमा हुआ और 23 अक्टूबर 2026 को स्वीकार हुआ।
- **परीक्षा कड़ी:** पश्चिमी घाट से सरीसृपों की नई प्रजाति; प्रिलिम्स में "हाल में वर्णित नई प्रजाति" सवालों की स्थिर परंपरा है।

डेंड्रेलाफिस वंश क्या है: डेंड्रेलाफिस कोलुब्रिडी (Colubridae) कुल के दुबले-पतले, लंबी पूँछ वाले साँपों का वंश है। ये मुख्य रूप से पेड़ों और झाड़ियों में रहते हैं और बहुत तेज़ी से चलते हैं। कई प्रजातियों की पीठ पर काँस्य जैसी चमक होने से इन्हें आमतौर पर **ब्रॉन्ज़बैक** (bronzeback) कहा जाता है। वैज्ञानिक नामकरण में नई वर्णित प्रजाति के नाम के आगे **sp. nov.** (नवीन प्रजाति) लिखा जाता है।

गलत पहचान की लंबी कहानी

यह प्रजाति लंबे समय से पश्चिमी घाट की एक दुर्लभ स्थानीय (endemic) प्रजाति **डेंड्रेलाफिस ग्रैंडोक्युलिस (*D. grandoculis*)** के साथ भ्रमित रही। शोधकर्ताओं ने ग्रैंडोक्युलिस के **लेक्टोटाइप** (मूल नमूनों में से बाद में चुना गया आधार नमूना) और **पैरालेक्टोटाइप** (शेष मूल नमूने) तथा ऐतिहासिक और हालिया दोनों तरह के नमूनों के आधार पर उसका पुनर्वर्णन किया और उसे **सेन्सु स्ट्रिक्टो** (sensu stricto, अर्थात सीमित और मूल अर्थ में) पुनः परिभाषित किया।

इस अलगाव के बाद बची प्रजाति को नई प्रजाति डेंड्रेलाफिस बेडोमी के रूप में वर्णित किया गया। वर्णन का आधार है **दो टाइप नमूने**, कुछ जीवित (जिन्हें एकत्र नहीं किया गया) व्यक्ति और **नागरिक विज्ञान** (citizen science, यानी आम लोगों द्वारा साझा रिकॉर्ड) के तहत साझा की गई तस्वीरें।

कहाँ मिलती है यह प्रजाति

डेंड्रेलाफिस बेडोमी मुख्य रूप से पश्चिमी घाट की **कम ऊँचाई वाली विंडवर्ड ढलानों** (हवा की ओर मुँह किए ढलान, जहाँ मानसून पहले टकराता है) में रहती है। यह बात परीक्षा की दृष्टि से ज़रूरी है, क्योंकि प्रजाति का आवास प्रश्न में सीधे पूछा जा सकता है।

पहचान के प्रमुख लक्षण

शोध के अनुसार इसे ग्रैंडोक्युलिस से अलग करने वाले लक्षण:

लक्षण	डेंड्रेलाफिस बेडोमी में स्थिति (ग्रैंडोक्युलिस की तुलना में)
उप-पुच्छीय पट्टियाँ (subcaudals: पूँछ के नीचे की पट्टियाँ)	संख्या काफी अधिक
जीभ	लाल
लोरियल (आँख और नथुने के बीच की पट्टी)	अधिक लंबा
दूसरा पोस्टऑक्युलर (आँख के पीछे की दूसरी पट्टी)	छोटा
सफ़ेद वेंट्रोलेटरल पट्टी (पेट के किनारे की धारी)	प्रायः मौजूद
पृष्ठीय धब्बे	ठोस काले धब्बे

शोध विवरण

बिंदु	विवरण
पत्रिका	टैप्रोबैनिका (Taprobanica, एशियाई जैव विविधता शोध पत्रिका), वॉल्यूम 15, नंबर 2, 2026
शोधकर्ता	एस.आर. गणेश, एस.एन. पूर्णप्रज्ञा, अशोक कुमार मल्लिक, गर्नोट वोगेल

बिंदु	विवरण
प्रकाशन	12 नवंबर 2026 (जमा 27 फ़रवरी 2026, स्वीकृति 23 अक्टूबर 2026)
DOI	10.47605/tapro.v15i2.436

परीक्षा की दृष्टि से महत्व

- **नई प्रजाति का सूत्र:** नाम (डेंड्रेलाफिस बेडोमी), स्थान (पश्चिमी घाट की निचली विंडवर्ड ढलानें) और विशेषता (लाल जीभ, अधिक उप-पुच्छीय पट्टियाँ) तीनों एक साथ तैयार रखिए।
- **नागरिक विज्ञान:** आम लोगों द्वारा साझा की गई तस्वीरों का वैज्ञानिक वर्णन में समर्थन के रूप में इस्तेमाल; पर्यावरण प्रश्नों में यह प्रवृत्ति बढ़ रही है।
- **पश्चिमी घाट:** विश्व स्तर पर मान्य जैव विविधता हॉटस्पॉट और स्थानीय प्रजातियों का केंद्र; ऐसे वर्गीकरणीय पुनरीक्षण बताते हैं कि निचली ऊँचाई के आवासों में भी अनदेखी विविधता बची है।

स्रोत

1. टैप्रोबैनिका, वॉल्यूम 15, नंबर 2 (2026): डेंड्रेलाफिस बेडोमी का मूल शोध विवरण
2. DOI: 10.47605/tapro.v15i2.436

प्रिलिम्स परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: डेंड्रेलाफिस बेडोमी को लंबे समय तक भ्रम से डेंड्रेलाफिस ग्रैंडोक्युलिस समझा जाता रहा

कथन 2: यह प्रजाति मुख्य रूप से पश्चिमी घाट की अधिक ऊँचाई वाली शिखर झाड़ीभूमि में पाई जाती है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a) केवल 1

कथन 1 सही है: शोध के अनुसार यह प्रजाति लंबे समय से दुर्लभ स्थानीय प्रजाति डेंड्रेलाफिस ग्रैंडोक्युलिस के साथ भ्रमित रही और पुनर्वर्णन के बाद ही अलग पहचानी गई।

कथन 2 गलत है: यह प्रजाति मुख्य रूप से पश्चिमी घाट की कम ऊँचाई वाली विंडवर्ड ढलानों में रहती है, अधिक ऊँचाई वाली शिखर भूमि में नहीं।

प्रश्न 2: डेंड्रेलाफिस बेडोमी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: इसकी जीभ लाल होती है

कथन 2: ग्रैंडोक्युलिस की तुलना में इसकी उप-पुच्छीय पट्टियों की संख्या काफी अधिक होती है

कथन 3: इसमें प्रायः सफ़ेद वेंट्रोलेटरल पट्टी और ठोस काले पृष्ठीय धब्बे दिखते हैं

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (d) 1, 2 और 3

कथन 1 सही है: शोध के अनुसार इस प्रजाति की जीभ लाल होती है, जो इसे ग्रैंडोक्युलिस से अलग करती है।

कथन 2 सही है: ग्रैंडोक्युलिस की तुलना में इसकी उप-पुच्छीय पट्टियों (पूँछ के नीचे की पट्टियों) की संख्या काफी अधिक है।

कथन 3 सही है: इसमें प्रायः सफ़ेद वेंट्रोलेटरल पट्टी और ठोस काले पृष्ठीय धब्बे मिलते हैं; ये दोनों पहचान लक्षणों में गिने गए हैं।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

▼ डेंड्रेलाफिस बेडोमी क्या है?

यह पश्चिमी घाट से नववर्णित साँपों की एक प्रजाति है, जो डेंड्रेलाफिस (ब्रॉन्ज़बैक) वंश और कोलुब्रिडी कुल से सम्बन्धित है। इसका वैज्ञानिक वर्णन 12 नवंबर 2026 को टैप्रोबैनिका पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

▼ यह प्रजाति इतने वर्षों तक पहचानी क्यों नहीं जा सकी?

क्योंकि इसे लंबे समय तक पश्चिमी घाट की दुर्लभ स्थानीय प्रजाति डेंड्रेलाफिस ग्रैंडोक्युलिस ही समझा जाता रहा। शोधकर्ताओं ने ग्रैंडोक्युलिस के मूल नमूनों का पुनर्वर्णन कर दोनों को स्पष्ट रूप से अलग किया।

▼ नागरिक विज्ञान ने इस खोज में क्या भूमिका निभाई?

नई प्रजाति के वर्णन में दो टाइप नमूनों और कुछ जीवित व्यक्तियों के साथ आम लोगों द्वारा साझा की गई तस्वीरों (citizen science photo posts) को भी प्रमाण के रूप में इस्तेमाल किया गया।